



(81)

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर म०प्र०

III निगरानी सीधर भूख/2018/1319 निगरानी क्रमांक /18

रेवाप्रकाश आयु लगभग-65 वर्ष
 आत्मज श्री हरिशंकर जाति ब्राम्हण
 निवासी व कृषक ग्राम बीजली तहसील
 नसरुल्लागंज जिला सीहोर (म०प्र०) ----- निगरानीकर्ता

विरुद्ध

सुगनचंद आयु 81 वर्ष
 आत्मज श्री स्व. डुंगरिया
 निवासी व कृषक ग्राम बीजला
 तहसील नसरुल्लागंज जिला सीहोर ----- अनावेदक

दिनांक 23/2/18
 प्राथमिक तर्क
 दिनांक 6/3/18
 क्लर्क ऑफ कोर्ट
 राजस्व मण्डल, म.प्र.

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू राजस्व संहिता 1959

यह निगरानी निगरानीकर्ता द्वारा माननीय अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार तहसील नसरुल्लागंज जिला सीहोर के प्रकरण क्रमांक- 04/बी -121/17-18 पक्षकार सुगनचंद विरुद्ध रेवाप्रकाश आदेश दिनांक 19/2/18 से दुखी होकर निम्न ठोस तथ्य एवं आधार पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत है :-

तथ्य

- 1- यह कि निगरानीकर्ता के स्वत्व स्वामित्व आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा क्रमांक-2/1/1/2, 5/1/2, 2/8, 2/1/2, 2/3/3/1 कुल रकबा 5.969 हेक्टेयर स्थित ग्राम बीजला तहसील नसरुल्लागंज जिला सीहोर में है जिसे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दिनांक-05.05.1983 को कय किया गया था। राजस्व अभिलेख में उक्त भूमि निगरानीकर्ता के नाम नामांतरित होकर राजस्व अभिलेख में भूमि स्वामी के रूप में नाम चला आ रहा है एवं मौके पर काबिज होकर खेती कर रहा है।
- 2- यह कि अनावेदक की ग्राम बीजला तहसील नसरुल्लाहगंज जिला सीहोर भूमि खसरा क्रमांक-1/2, 2/1/2/2/1क, 2/1/2/2/1ग रकबा 3.327 हेक्टेयर है जो निगरानीकर्ता की भूमि से काफी दूरी पर है जिस पर आने जाने का रास्ता नहर पर बने रास्ते से अनावेदक एवं अन्य कृषक के द्वारा उपयोग किया जाता है।

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक दो-निगरानी/सीहोर/भू0रा0/2018/1319

दिनांक

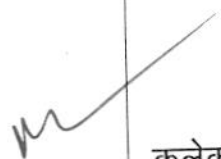
कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अगि
आदि के हस्ताक्षर

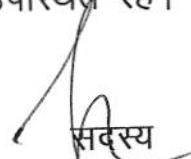
3/4/19

प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी तहसीलदार नसरुल्लागंज जिला सीहोर द्वारा प्रकरण क्रमांक 4 बी-121/17-18 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2018 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ भू राजस्व संहिता, 1959 (नवीन संशोधित संहिता प्रभावी दिनांक 25-9-18) की धारा 50 में दी गई व्यवस्था के अनुरूप निगरानी राजस्व मण्डल में सीधे सुनवाई-योग्य नहीं है, क्योंकि तहसीलदार द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध कलेक्टर/अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी होगी। तदनुसार भू राजस्व संहिता, 1959 (नवीन संशोधित संहिता प्रभावी दिनांक 25-9-18) के अनुसार निगरानी सुनवाई योग्य न रहने कलेक्टर सीहोर के न्यायालय में सुनवाई हेतु अंतरित की जाती है। आवेदक कलेक्टर सीहोर के न्यायालय में सुनवाई हेतु दिनांक 21-5-2019 को उपस्थित रहें।



कलेक्टर सीहोर


सदस्य